

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री



नई रेलवे
नया उत्तराखण्ड









(2014 - मई 21)



देश को गति रेल से
प्रगति भी रेल से

श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री



सत्यमेव जयते

प्रस्तावना



आशुतोष गंगल
महाप्रबंधक
उत्तर रेलवे

भारतीय रेल राष्ट्र की जीवन–रेखा और भारत की प्रगति तथा आर्थिक विकास की प्रेरक है। भारतीय रेल अपने ग्राहकों को आरामदायक, सुविधाजनक और किफायती परिवहन प्रणाली उपलब्ध करा रही है। भारतीय रेल की संरक्षा, गति सीमा में वृद्धि और दूर–दराज के क्षेत्रों से सम्पर्क स्थापित करने पर ध्यान केन्द्रित करने वाली अनेक बड़ी ढाँचागत परियोजनाएं प्रगति पर हैं। नई रेल लाइनें बिछाई जा रही हैं। दोहरीकरण और विद्युतीकरण कार्य पूरी रफ्तार पर हैं। बेहतर और अधिक दक्षता परिणाम लाने के लिए नवीनतम तकनीक, डिजिटलाइजेशन और स्वदेशी उपायों को अपनाया जा रहा है। बेहतर मालभाड़ा व्यापार अवसर सृजित करने के लिए लाँग–हॉल और पीसमील रेलगाड़ियों के परिचालन पर भी बल दिया जा रहा है।

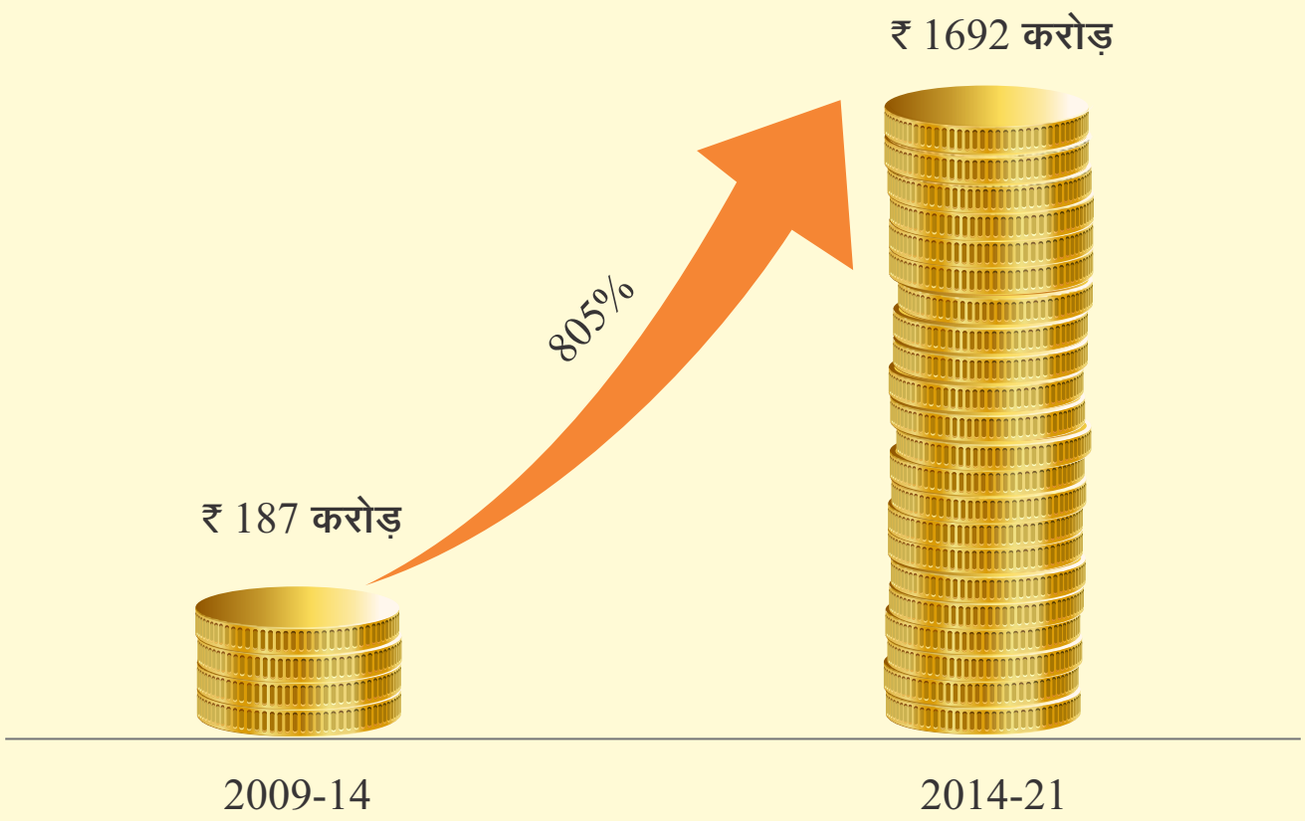
रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी परिवहन क्षेत्र के इस बदलते परिदृश्य के अनुरूप स्वयं को तैयार रखने में निष्ठा से जुटे हुए हैं। इस पुस्तिका का उद्देश्य पिछले कुछ समय से उत्तराखण्ड में चल रही महत्वपूर्ण गतिविधियों और मौजूदा परियोजनाओं को रेखांकित करना है। विभिन्न परियोजनाओं के लिए आवंटित किया गया बजट राज्यवार न दर्शा कर परियोजना की लागत को प्रतिबिंबित करता है।

पूंजीगत निवेश

❖ 2009–14 की तुलना में 2014–21 के उत्तराखंड में रेल नेटवर्क में नौगुना निवेश

औसत वार्षिक बजट परिव्यय		
2009-14	2014-21	% वृद्धि
₹ 187 करोड़	₹ 1692 करोड़	+ 805%

❖ उत्तराखंड में रेलवे के औसत वार्षिक परिव्यय में 805% की वृद्धि हुई



आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

2014–21 के दौरान पूर्ण किये गये कार्य

- लगभग 1,411 कि.मी. की 6 नई लाइनों / दोहरीकरण के सर्वेक्षण का कार्य
- राईवाला, डोईवाला, हर्रावाला और देहरादून स्टेशनों पर 18 कोच की गाड़ी के लिए परिचालन सुविधाओं का विस्तार
- ऋषिकेश स्टेशन में रेक रख–रखाव सुविधा का कार्य
- लगभग ₹ 347 करोड़ की लागत से 27 कि.मी. की एक दोहरीकरण परियोजना (लक्सर–हरिद्वार) का कार्य पूरा
  - इसमें 16 कि.मी. सेक्शन (लक्सर–इक्कर) यातायात के लिए खुला

प्रगति पर अन्य कार्य

- लगभग 510 कि.मी. की 4 नई लाइनों का सर्वेक्षण
- ऋषिकेश–कर्णप्रयाग के बीच नई रेल लाइन का निर्माण
- 1 लेवल क्रॉसिंग पर रोड ओवर ब्रिज का प्रावधान



माननीय पूर्व रेल मंत्री श्री सुरेश प्रभाकर प्रभु द्वारा बद्रीनाथ उत्तराखण्ड में चारधाम रेल कनैक्टिविटी परियोजना के फाइनल लोकेशन सर्वे का शुभारम्भ

आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

विद्युतीकरण

लाभ

- रेलगाड़ियों की गति में वृद्धि
- पर्यावरण अनुकूल
- ईंधन बचत और कम ऊर्जा लागत

2014–21 के दौरान

- लक्सर–हरिद्वार–रायवाला–देहरादून खंड पर 78 रुट कि.मी. मार्ग विद्युतीकृत हुआ
- डासनी में लूपलाइन का विस्तार कार्य पूर्ण

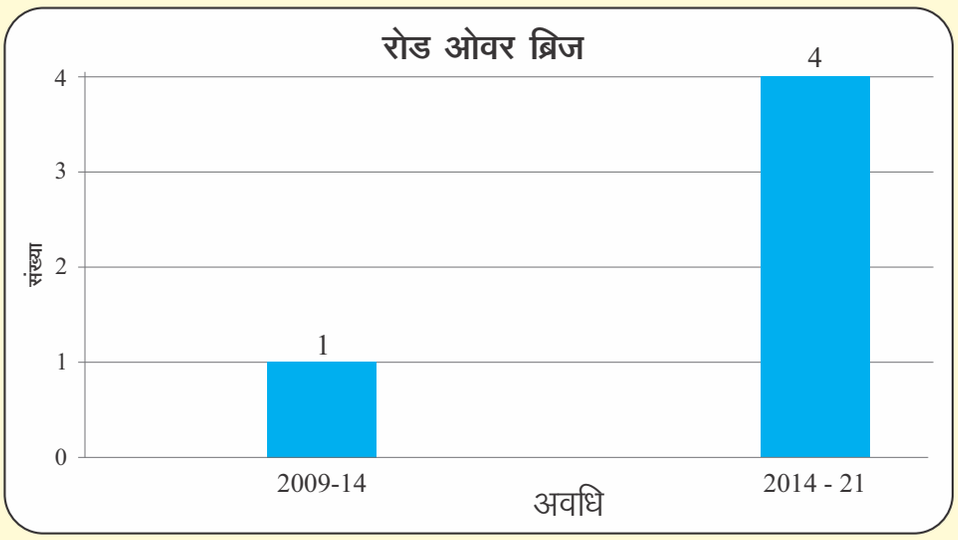


नए विद्युतीकृत लक्सर–हरिद्वार–रायवाला–देहरादून सेक्शन पर यात्री गाड़ी

आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

रोड ओवर ब्रिज (आर.ओ.बी.) एवं रोड़ अंडर ब्रिज (आर.यू.बी.)

- मोतीचूर के निकट रेल लेवल क्रॉसिंग के स्थान पर लक्सर – देहरादून दो लेन वाला रोड ओवर ब्रिज
- लक्सर – हरिद्वार दोहरीकरण कार्य में 1 रोड ओवर ब्रिज का काम पूरा
- लक्सर – देहरादून रेल सेक्शन पर चार सबवे निर्माण का कार्य पूरा और 4 अन्य का कार्य प्रगति पर
- ऋषिकेश में सड़क यातायात हेतु दो 4 लेन वाले रोड ओवर ब्रिज और एक रोड अंडर ब्रिज पूर्ण हुए एवं यातायात हेतु खोले गये
- रेलवे लाइन पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा बनाये जा रहे तीन 4 लेन वाले रोड ओवर ब्रिज का कार्य प्रगति पर
- लेवल क्रॉसिंग के स्थान पर 6 सीमित ऊचांई सबवे बनाये गये





सीमित ऊँचाई वाले सब–वे

आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

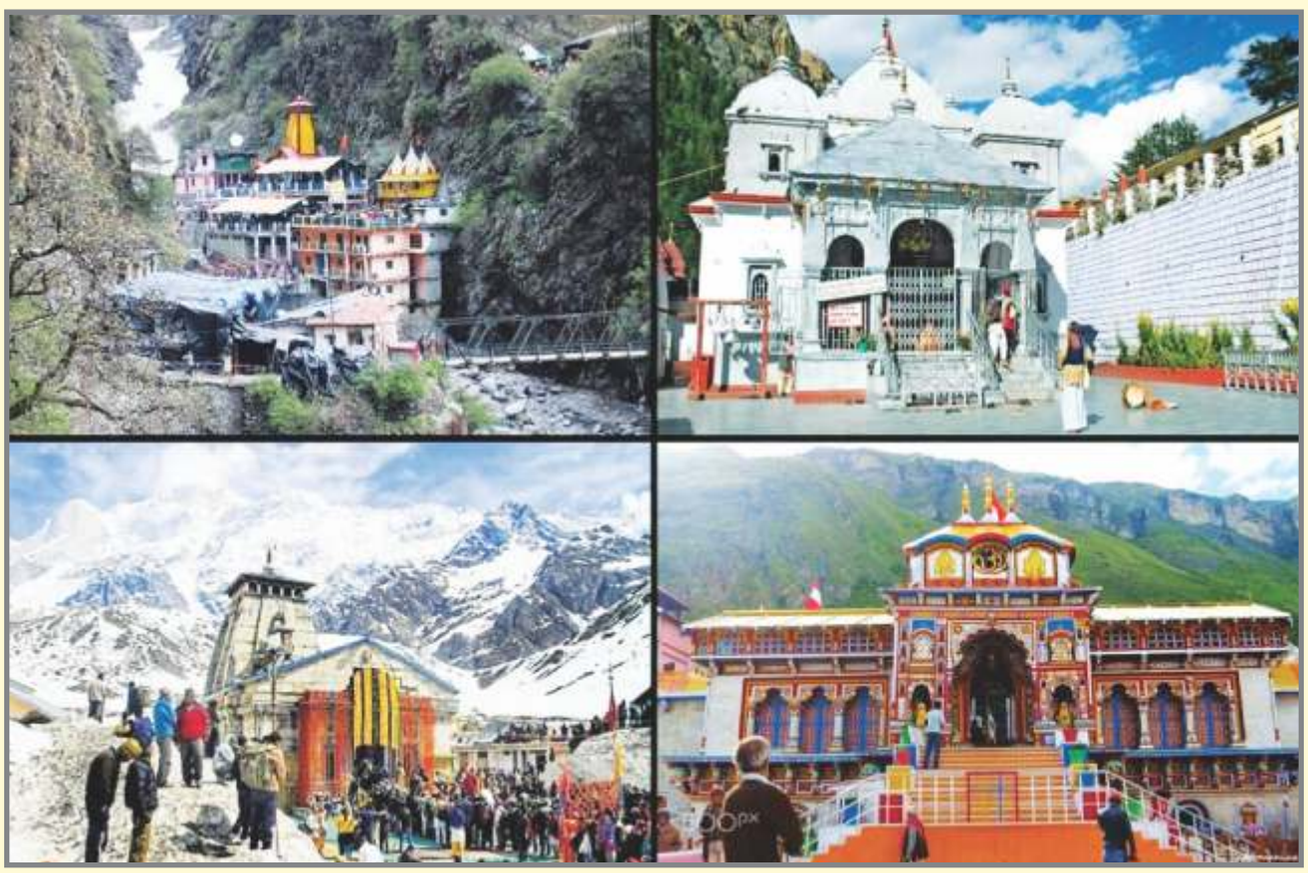
परियोजनाएं प्रगति पर

चारधाम रेल लाइन

- चारधाम– यमुनोत्रीी, गंगोत्रीी, केदारनाथ और बद्रीनाथ को रेल कनैक्टिविटी प्रदान करने हेतु फिज़िबिलिटी स्टडी एवं सर्वेक्षण किया जा रहा है

लाभ

- तीर्थ स्थानों तक पहुंचने में सुगमता एवं पिछड़े क्षेत्रों का विकास
- दो अंतरराष्ट्रीय सीमाएं होने के कारण सामरिक महत्व
- व्यापार स्थलों को जोड़ना, स्थानीय रोजगार को बढ़ावा एवं जनसंख्या प्रवास पर रोक
- पर्यटन को बढ़ावा एवं सड़को पर भीड़–भाड़ में कमी



चारधाम– यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ एवं बद्रीनाथ, उत्तरांखड के बड़े तीर्थ स्थान

आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

परियोजनाएं प्रगति पर

ऋषिकेश – कर्णप्रयाग रेल लाइन

वर्तमान स्थिति

- फाइनल लोकेशन सर्वे का कार्य पूरा हुआ
- अंतिम संरेखण एवं रेल भूमि सीमांकन कार्य पूरा हुआ
- पूरी परियोजना हेतु भूमि अधिग्रहण (791 हेक्टयर) कार्य पूरा हुआ एवं वन विभाग से क्लीयरेंस की प्राप्ति
- विभिन्न सुरंगों एवं ब्रिज लेइंग साइटों पर एक साथ कार्य प्रारंभ

तकनीकी जानकारी

मद	पैरामीटर
कुल लंबाई (कि.मी.)	125.20
नये स्टेशन (संख्या)	12
सुरंग (संख्या)	17
सुरंगों की कुल लंबाई (कि.मी.)	105.47
बचाव सुरंग (कि.मी.)	98.54
सुरंग कार्य की कुल लंबाई (कि.मी.)	218
सुरंग की अधिकतम लंबाई (कि.मी.)	15.10
सुरंग मार्ग की लंबाई का %	84.24
पुल की लंबाई का %	2.26

चुनौतियाँ

- विविधतापूर्ण चट्टानी संरचनाओं और विषम मौसम की स्थितियों वाला हिमालयी क्षेत्र जोकि भूकंप की दृष्टि से अत्यधिक सक्रिय है (जोन–4 व 5)
- पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण, समतल भूमि का अभाव तथा गंगा एवं सहायक नदियों के कारण इस परियोजना में बड़ी संख्या में सुरंगों और पुलों के निर्माण की आवश्यकता होगी
- निर्माण स्थल तक पहुंचने के लिए पहाड़ों में सड़कों का निर्माण, अपने आप में एक परियोजना है

आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

योगनगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन

- वीरभद्र – योगनगरी ऋषिकेश सेक्शन शुरू
- योगनगरी ऋषिकेश स्टेशन को विश्वस्तरीय यात्री सुविधाओं के साथ स्वच्छ और हरित स्टेशन के रूप में विकसित किया गया
- धूल मुक्त स्वच्छ वातावरण के लिए इस सेक्शन को हरी घास की ढलानों से आकर्षक रूप प्रदान किया गया



नवनिर्मित योगनगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन

आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

निर्माण कार्य

- श्रीनगर, गौचर एवं सिवाई में पहुँच मार्ग एवं पुल निर्माणाधीन
- सभी सुरंगों के विस्तृत डिज़ाइन का कार्य पूर्ण
- ड्रिलिंग एवं सुरंग खुदाई हेतु अत्याधुनिक मशीनों का उपयोग
- परियोजना को समय से पूरा करने के लिए सभी मुख्य सुरंगों का निर्माण कार्य एक साथ शुरू हुआ
- परियोजना को दिसंबर, 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य





पुल निर्माण का कार्य प्रगति पर



प्रवेश मार्ग का निर्माण



चंद्रभागा रोड ओवर ब्रिज



सुरंग निर्माण कार्य



चंद्रभागा रेल पुल

यात्री सुरक्षा

- हरिद्वार स्टेशन पर एक्स–रे मशीन लगाई गई
- मेटल डिटेक्टर के साथ रेल सुरक्षा बल कर्मियों की तैनाती
- हरिद्वार स्टेशन पर 46 तथा देहरादून स्टेशन पर 15 CCTV कैमरे लगाये गये
- महत्वपूर्ण रेलगाड़ियों में विस्फोटकों की जांच हेतु स्निफर डॉग स्क्वाड की तैनाती
- वर्ष 2014–21 के दौरान घर से भागे हुए 83 बच्चों को पहचान कर उनके माता–पिता या एन.जी.ओ. को सौंपा गया
- त्यौहारों और ग्रीष्मकाल में स्टेशनों पर भीड़ के बेहतर प्रबंधन हेतु अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती



काठगोदाम शताब्दी एक्सप्रेस के डिब्बों के अदंर CCTV कैमरे

यात्री सुविधाएं

- हरिद्वार, रायवाला, धनढेरा मोतीचूर, ऐथल, पथरी, ज्वालापुर और ऋषिकेश रेलवे स्टेशनों पर 9 नये फुट ओवर ब्रिज
- स्टेशनों पर 3 लिफ्ट और 6 एस्केलेटर लगाये गये
- हरिद्वार रेलवे स्टेशन के पार्किंग और सर्कुलेटिंग एरिया का नवीनीकरण
- रायवाला रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्मों की सतह को ऊँचा किया गया
- देहरादून, हरिद्वार, डोईवाला, ऋषिकेश एवं रूड़की स्टेशनों पर सांसद निधि योजना के सहयोग से 300 लोगों के बैठने के लिए नई बेंच लगाई गईं
- हरिद्वार, मोतीचूर, रूड़की, पथरी, ज्वालापुर और ऋषिकेश (06) रेलवे स्टेशनों के सर्कुलेटिंग एरिया का नवीनीकरण
- रूड़की, हरिद्वार, मोतीचूर, ऐथल, पथरी, लक्सर और ऋषिकेश (07) रेलवे स्टेशनों पर प्लेटफार्म की सतह का नवीनीकरण
- हरिद्वार, मोतीचूर, ऐथल और पथरी (04) रेलवे स्टेशनों पर अतिरिक्त प्लेटफार्म शेल्टर्स बनाये गये
- 09 रेलवे स्टेशनों पर 30 हाई मास्ट टॉवर एवं रात में रोशनी के लिए 300 स्ट्रीट लाइटें लगायी गईं
- 09 रेलवे स्टेशनों पर ग्लो साइन बोर्ड एवं साइनेज़ की सुविधा उपलब्ध करायी गईं
- 05 रेलवे स्टेशनों पर पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध करायी गईं

2014–21 के दौरान पूरे किये गये कार्य

- 4 लिफ्ट (देहरादून–2, हरिद्वार–2) तथा 8 एस्केलेटर (हरिद्वार–6, देहरादून–2) लगाये गये





देहरादून स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज एवं एस्केलेटर



हरिद्वार स्टेशन का विकसित मुख्य द्वार

डिजिटल इंडिया



तीव्र एवं मुफ्त वाई-फाई



- डिजिटल इंडिया पहल को बढ़ावा देने के लिए 7 स्टेशन : देहरादून, हरिद्वार, रूड़की, इक्कर, इकबालपुर, ज्वालापुर एवं पथरी पर वाई–फाई सुविधा प्रदान की गई

डिजिटल ट्रांजैक्शन

- 41 प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनें लगाईं
- टिकट काउंटर पर BHIM, RuPay, डेबिट कार्ड, ई–वॉलेट आदि के माध्यम से कैशलेस ट्रांजैक्शन की सुविधा



टिकट काउंटर पर कैशलेस ट्रांजैक्शन के लिए प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनें

स्वच्छ रेल – स्वच्छ भारत

- प्लेटफॉर्म, ट्रैक और स्टेशन परिसर की सफाई के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती
- स्टेशनों और डिब्बों की मशीनीकृत सफाई
- ट्रेनों में ऑनबोर्ड हाउसकीपिंग सर्विस (OBHS) की सुविधा
- 'क्लीन माइ कोच' ऐप का लॉन्च
- गंदगी फैलाने वालों पर जुर्माना
- स्वैच्छिक संगठनों और गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से समय–समय पर स्वच्छता अभियानों का आयोजन
- चादरों एवं कम्बलों आदि की मशीनीकृत धुलाई
- समाचार पत्रों में डिस्पले विज्ञापन, रेडियो और टीवी स्पॉट, पैम्फ्लेट, बैनर, नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से रेल यात्रियों को जागरूक करना



कोच की मशीनीकृत सफाई

हरित पहल

सौर ऊर्जा का उपयोग

- 8 kWp क्षमता के सोलर मॉड्यूल लगाये गये
- 13 लेवल क्रॉसिंग गेट्स पर सोलर पैनलों का प्रावधान

ऊर्जा संरक्षण हेतु एलइडी लाईटें

- उत्तराखंड में ऊर्जा संरक्षण हेतु सभी 22 स्टेशनों पर एलईडी लाइट का प्रावधान (100% कवरेज)



स्टेशनों पर सोलर पैनल

कोविड–19 : यात्री केन्द्रित

श्रमिक स्पेशल रेलगाड़ियां

❖ कोविड–19 लॉकडाउन के दौरान प्रवासी श्रमिकों, तीर्थयात्रियों, सैलानियों, छात्रों और अन्य लोगों को उनके घरों तक पहुँचाने हेतु 7 श्रमिक स्पेशल रेलगाड़ियां चलाई गई





श्रमिक स्पेशल रेलगाड़ियां

पर्यटन

हिमालय में स्थित, उत्तराखण्ड में कई प्रमुख पर्यटक और तीर्थ स्थल हैं। इस पहाड़ी राज्य में रेलवे अपने नेटवर्क को विस्तार देने का प्रयास कर रही है

- ऋषिकेश–कर्णप्रयाग के बीच नई रेल लाइन का निर्माण कार्य प्रगति पर
- चारधाम रेल कनैक्टिविटी परियोजना के फाइनल लोकेशन सर्वे का कार्य प्रगति पर

कुम्भ/अर्धकुम्भ मेला

- यात्रियों की सुविधा के लिए कुम्भ मेला स्पेशल रेलगाड़ियाँ
- हरिद्वार से सटे स्टेशनों जैसे ज्वालापुर, मोतीचूर, ऋषिकेश को मेला स्टेशन बनाया गया
- यात्री सहायता हेतु स्टेशनों के प्रमुख स्थानों पर अतिरिक्त टिकट काउंटर, पूछताछ बूथ एवं चौबीसों घण्टे कर्मचारियों की तैनाती
- स्टेशनों पर असिमित प्रवेश व निकास द्वारों, निगरानी टावरों, शौचालय, पेयजल, फूड कियोस्क व चिकित्सा सहायता का प्रबन्ध



हरिद्वार रेलवे स्टेशन



गंगा घाट, हरिद्वार




योग नगरी ऋषिकेश
YOG NAGARI RISHIKESH


हरिद्वार




हरिद्वार




भारतीय रेल • INDIAN RAILWAYS
वंदे भारत
EXPRESS
ICF